''सतत् विकास लक्ष्य'' को बढ़ावा देने में स्थानीय स्वशासन की भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन, नगर पालिका निगम भिलाई के विशेष संदर्भ में

1.Dr.G.D.S Bagga
Ph.D. Supervisor, Asst. Professor of Commerce
CLC Govt. Arts and Science College, Dhamdha District Durg (Chhattisgarh)

2.Dr.Ravish Kumar Soni
Ph.D. Co-Supervisor, Asst. Professor of Commerce
Kalyan PG College, Bhilai Nagar
District Durg (Chhattisgarh)

3.Aradhana Dewangan
Research Scholar, Asst. Professor of Commerce
CLC Govt. Arts and Science College, Patan
District Durg (Chhattisgarh)

सारांश

वर्ष 2030 के लिए नये **'सतत् विकास एजेंडा'** को वर्ष 2015 में अपनाया गया था और इस एजेण्डा का कार्यान्वयन अभी प्रगति पर हैं। भारत में तेज गति से होने वाले शहरीकरण की प्रक्रिया में नगर पालिका निगम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर तेज गति से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत देश भी शामिल हैं। यहां लाखों लोग बेहतर जीवन की तलाश में गांवों से शहरी क्षेत्रों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। यह शहरीकरण राष्ट्र के लिए चुनौतियां एवं अवसर दोनो ही प्रदान करता हैं। नगर पालिका निगम पर अपने शहरी क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाएं तथा अन्य सुविधाएं प्रदान करने का उत्तरदायित्व होता हैं। जैसे—जैसे शहरीकरण होता हैं वैसे—वैसे ही प्राकृतिक संसाधनों की कमी, तथा पर्यावरण के गिरावट होने जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता हैं। इस दृष्टि से सतत् विकास भारतीय नगर पालिका निगमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य प्रतीत होता हैं। सतत् विकास के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों के विकास हेतु व्यापक दृष्टिकोण सम्मिलित हैं। सतत् विकास लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर लागू करना नगर पालिका निगम का मुख्य लक्ष्य हैं। उक्त शोध सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के सर्वोत्तम तरीके की खोज करने तथा इसे प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में उत्तर ढूंढ़ने का प्रयास करता हैं। शहरीकरण के परिणामस्वरूप सतत् विकास की अनिवार्यता ने नगरपालिकाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बना दिया हैं। उक्त शोध नगर पालिका निगम एवं सतत् विकास के बीच महत्वपूर्ण संबंधों की व्याख्या करता हैं।

मुख्य शब्द :— सतत् विकास, नगर पालिका निगम भिलाई , शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन।

1. **प्रस्तावना :—** वर्तमान युग में वैश्विक स्तर पर विकास के लिए सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति एक महत्वपूर्ण आधार होती हैं। किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए संपूर्ण शासन व्यवस्था जिसमें केन्द्र शासन, राज्य शासन तथा स्थानीय शासन शामिल हैं, की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी राष्ट्र के विकास का मूल्यांकन उस राष्ट्र की जनता के सामाजिक तथा आर्थिक विकास के आधार पर किया जाता हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की तुलना में स्थानीय सरकार आम व्यक्तियों से अधिक घनिष्ठतम रूप से जुड़ा होता हैं। इस लिए इन शासन व्यवस्थाओं में नगर पालिका निगम जिसे स्थानीय स्वशासन के नाम से भी जाना जाता हैं, सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं क्योंकि आम व्यक्तियों की अपेक्षाओं, उनकी समस्याओं के समाधान, तथा उनकी आवश्यकताओं को नगर पालिका निगम के माध्यम से आसानी से पूरा किया जा सकता हैं।

वर्तमान में शहरों में प्रदूषण, तथा शोरपूर्ण जीवन होने के बाद भी आर्थिक विकास, नवाचार तथा शहरी क्षेत्रों में मिलने वाले विकास के अनेक अवसरों के कारण लोग शहरी क्षेत्रों को अपने निवास हेतु चयन कर रहे हैं तथा शहरी क्षेत्रों में ही कार्य करना अधिक पसंद कर रहे हैं। यही कारण हैं कि वर्तमान समय में शहरीकरण की प्रक्रिया को गंभीरतापूर्वक किया जाना आवश्यक हो गया हैं। सतत् विकास लक्ष्य जो कि एक महत्वपूर्ण योजना हैं, को नगरीय क्षेत्रों में लागू करने में स्थानीय सरकार को अनेक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता हैं। विकास के इन अवसरों एवं चुनौतियों को आपस में समायोजित कर उद्देश्यों को पूर्ण करना नगर पालिका निगम का मुख्य लक्ष्य हैं।

2. सतत् विकास लक्ष्य क्या हैं :–

सतत् विकास लक्ष्य एक बहुत ही महत्वपूर्ण तथा दूरदर्शी योजना हैं जिसके अंतर्गत आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, तथा सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समाज के विकास के लिए कार्य किये जाते हैं। सतत् विकास लक्ष्य वर्तमान तथा भविष्य दोनो से ही संबंधित होता हैं क्योंकि इसके अंतर्गत आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वर्तमान की आवश्यकताओं को पूर्ण करने पर जोर दिया जाता हैं।

सतत् विकास लक्ष्य(एस.डी.जी.) के मुख्य 17 लक्ष्य निम्नांकित है :–

2.1 देश में गरीबी के सभी रूपों को खत्म करना।

2.2 भूखमरी को समाप्त कर खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना।

2.3 स्वस्थ जीवन एवं कल्याण को बढ़ावा देना।

2.4 सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करना।

2.5 लिंग समानता प्राप्त करना तथा सभी महिलाओं और लड़कियों को सशक्त बनाना।

2.6 सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

2.7 सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाएं सुनिश्चित करना।

2.8 सभी के लिए निरंतर और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देना।

2.9 लचीले बुनियादी ढांचे, समावेशी और सतत् औद्योगिकरण को बढ़ावा देना।

2.10 देश में असमानता को कम करना।

2.11 शहरों एवं मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित और सतत् बनाना।

2.12 सतत् उत्पादन और उपभोग की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।

2.13 जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों को कम करने हेतु कार्यवाही करना।

2.14 महासागरों और समुद्री संसाधनों का सतत् उपयोग और संरक्षण करना।

2.15 पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण, बहाली और सतत् उपयोग को बढ़ावा देना।

2.16 शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना।

2.17 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देना।

3. उद्देश्य :–

उक्त शोध पत्र का निर्माण निम्नलिखित उद्येश्यों के आधार पर किया गया हैं :–

3.1 सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता एवं स्वस्थ वातावरण बनाये रखने हेतु किये जाने वाले कार्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

3.2 सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति हेतु नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किये जाने वाले कार्यों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

3.3 सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में नगर पालिका निगम भिलाई के समक्ष आने वाले अवसरों एवं चुनौतियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

4. शोध परिकल्पना :–

शोध परिकल्पना किसी भी शोध कार्य की आधार स्तंभ होती हैं। शोध परिकल्पना ही शोध को संगठित एवं व्यवस्थित कर शोध के महत्व को बढ़ाने में सहायता करता हैं। प्रस्तुत शोध निम्नलिखित परिकल्पओं पर आधारित हैं :–

1. H_0 शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता एवं जल आपूर्ति संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में कोई भी सार्थक अंतर नहीं हैं।

H_1 शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता एवं जल आपूर्ति संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में सार्थक अंतर हैं।

2. H_0 शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में कोई भी सार्थक अंतर नहीं हैं।
   H_1 शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में सार्थक अंतर हैं।

5. शोध साहित्य का पुनरावलोकन :–

इस शोध पत्र के निर्माण हेतु निम्नलिखित शोध साहित्य का अध्ययन किया गया हैं :–

5.1 छाछर, डॉ. वरूण(2023), ने अपने शोध अध्ययन ''**Exploring the Role of Municipalities in Promoting Sustainable Development with Special Reference to Green Bonds in India** '' में यह निष्कर्ष निकाला कि भारत में शहरी विकास की दिशा में नगर पालिकाओं के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता हैं। शहर के विकास हेतु कार्य करने वाली संस्थाएं जिसमें मुख्य रूप से नगर पालिका निगम शामिल हैं, को वित्तीय संस्थाओं से सक्रियता पूर्ण जुड़कर कार्य करना चाहिए। हरित बॉण्ड जैसे हरित वित्तीय तंत्र के प्रति सक्रिय होकर नगर पालिका निगम पर्यावरण के लिए लाभकारी योजनाओं को वित्तीय सहायता देने हेतु स्वयं के लिए अनेक वित्तीय साधनों का निर्माण कर सकती हैं।

5.2 बेनेडिक्ट, केमिलिया(2024), ने अपने शोध अध्ययन ''**How Can Municipalities Implement the Sustainable Development Goals? A Qualitative Study of Integral Approaches**'' में यह निष्कर्ष निकाला कि नगर पालिका के अंतर्गत ऐसे अनेक कारक हैं जो स्थानीय स्तर पर एसडीजी के कार्यान्वय को मुश्किल बनाते हैं जैसे एसडीजी जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक लक्ष्य को समझने में कमी होना जिसके कारण नगर पालिका निगम में कार्य करने हेतु आधार का अभाव पाया गया हैं। इसके लिए एसडीजी को लागू करने के पहले जागरूकता के संबंध में कार्य करना अत्यंत महत्वपूर्ण

हैं ताकि एसडीजी के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर कर इसके लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके।

6. शोध प्रविधि :—

उक्त शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए निम्नलिखित शोध प्रविधि का उपयोग किया गया हैं :—

6.1 आंकड़ों का संग्रहण :— उक्त शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए विभिन्न विधियों तथा तकनीकों के माध्यम से प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों का उपयोग किया गया हैं। द्वितीयक समंक नगर पालिका निगम भिलाई के बजट विवरण पत्र से संग्रहित किया गया हैं तथा प्राथमिक समंक प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किया गया हैं। प्रश्नावली के माध्यम से समंकों के संग्रहण हेतु नगर पालिका निगम भिलाई के प्रत्येक वार्ड के 02 व्यक्तियों का चयन उत्तरदाता के रूप में किया गया हैं।

6.2 शोध अवधि :— उक्त शोध कार्य गत तीन वित्तीय वर्ष 2017—18 से वर्ष 2019—20 के आधार पर किया गया हैं।

6.3 शोध तकनीक :— उक्त शोध कार्य को पूर्ण करने हेतु प्राप्त अव्यवस्थित समंकों को सारणीकृत कर प्रतिशत विधि, तथा विभिन्न सांख्यिकी उपकरणों का उपयोग कर विश्लेषण कार्य किया गया हैं।

7. शोध की सीमाएं :—

उक्त शोध अध्ययन सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में नगर पालिका निगम भिलाई की भूमिका के अध्ययन पर आधारित हैं। उक्त शोध पत्र वर्ष 2017—18 से वर्ष 2019—20 तक के तीन वित्तीय वर्ष के प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों तथा सांख्यिकी विश्लेषणों के उपकरणों पर आधारित हैं। दीर्घकालीन अवधि में सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु निगम की भूमिका में अंतर संभव हैं। समय, परिस्थिति, वित्तीय स्थिति, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक संरचना में परिवर्तन, तथा आकस्मिक आपातकालीन स्थितियों के परिणामस्वरूप शोधपत्र के तथा वास्तविक निष्कर्ष एक दूसरे से भिन्न हो सकते हैं।

8. शोध विषय —वस्तु :—

उक्त शोध कार्य सतत् विकास को बढ़ावा देने हेतु नगर पालिका निगमों की बहुमुखी भूमिका के अध्ययन पर आधारित हैं। नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता एवं जल आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए बजट अनुमानित किया जाता हैं तथा कार्यों को पूर्ण करने के लिए व्यय किये जाते हैं। निगम के द्वारा इन मदों पर किये जाने वाले व्ययों के आधार पर विकास का मूल्यांकन किया जा सकता हैं।

सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय स्तर या राज्य स्तर पर पृथक् रूप से किसी भी प्रकार के कोष या फण्ड उपलब्ध नहीं हैं। इनके लिए वर्तमान में राज्यों द्वारा चलायी जा रही योजनाओं, तथा कार्यक्रमों को सतत् विकास लक्ष्यों के अनुरूप क्रियान्वित कर लक्ष्यों को प्राप्त करना हैं। अतः नगर पालिका निगमों द्वारा शहर के विकास एवं निवासियों को आधारभूत सुविधायें प्रदान करने के लिए किये गये व्ययों के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया हैं। सतत् विकास में नगर पालिका निगम भिलाई की भूमिका के अध्ययन हेतु निगम के कुछ व्यय शीर्षकों को आधार स्वरूप चयनित किया गया हैं :—

तालिका क्रमांक 01

नगर पालिका निगम भिलाई के ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की राशि (अनुमानित एवं वास्तविक व्यय)

वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक

(राशि लाख रूपयें में)

वर्ष	पुनरीक्षित अनुमान	वास्तविक राशि	अंतर की राशि	प्रतिशत में
2017-18	1892	1120.7	-771.3	40.76
2018-19	824.61	681.03	-143.58	17.41
2019-20	813.67	323.33	-490.34	60.26

स्त्रोंत – नगर पालिका निगम भिलाई के आय–व्यय पत्रक से प्राप्त आंकड़ें

नगर पालिका निगम भिलाई के व्यय के इस शीर्षक के अंतर्गत नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करने हेतु व्यय किये जाते हैं। इसमें मुख्य रूप से जल आपूर्ति, स्वच्छता एवं सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा और सार्वजनिक शौचालय और स्नानागार जैसी सुविधायें प्रदान करके नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जाता हैं।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'' शीर्षक के अंतर्गत 1892 लाख रूपये के व्यय का अनुमान लगाया गया था जबकि वास्तविक व्यय राशि 1120.7 लाख रूपये थी। इस प्रकार इस वर्ष इस शीर्षक के अंतर्गत अनुमानित बजट की तुलना में 771.3 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि पुनरीक्षित अनुमान का 40.76 प्रतिशत था।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 56.42 प्रतिशत की कमी की गई और इस कमी से वर्ष 2018–19 में इस शीर्षक में 824.61 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 681.03 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में अनुमानित बजट की तुलना में 143.58 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 17.41 प्रतिशत हैं।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 0.013 प्रतिशत की कमी की गई और इस कमी से वर्ष 2019–20 में इस शीर्षक में 813.67 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 323.33 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2019–20 में अनुमानित बजट की तुलना में 490.34 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 60.26 प्रतिशत हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई के ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की अनुमानित एवं वास्तविक राशि एवं दोनों का अंतर वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

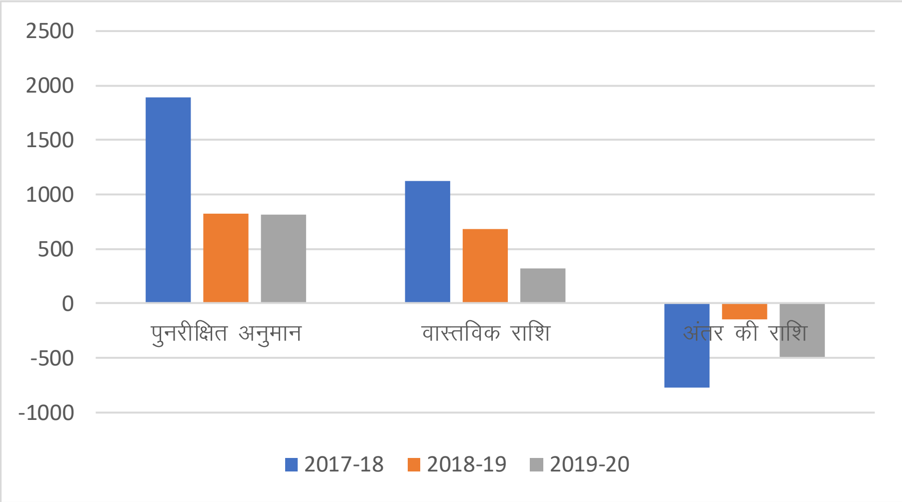

तालिका क्रमांक 02

नगर पालिका निगम भिलाई के ''पर्यावरण संरक्षण'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की राशि (अनुमानित एवं वास्तविक व्यय)

वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक

(राशि लाख रूपयें में)

वर्ष	पुनरीक्षित अनुमान	वास्तविक राशि	अंतर की राशि	प्रतिशत में
2017-18	95	21.71	-73.29	77.14
2018-19	25	17.97	-7.03	28.12
2019-20	0	0	0	0

स्त्रोंत – नगर पालिका निगम भिलाई के आय–व्यय पत्रक से प्राप्त आंकड़ें

नगर पालिका निगम भिलाई के पर्यावरण संरक्षण विभाग के द्वारा शहर के पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण का कार्य किया जाता हैं। निगम वायु एवं जल प्रदूषण नियंत्रण, कचरा प्रबंधन, हरित क्षेत्र विकास, पर्यावरण शिक्षा एवं जागरूकता, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, तथा पर्यावरण प्रभावों के आंकलन जैसे कार्यों के माध्यम से शहर के वातावरण को सुरक्षित एवं स्वस्थ बनाने संबंधित कार्य करती हैं।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''पर्यावरण संरक्षण'' शीर्षक के अंतर्गत 95 लाख रूपये के व्यय का अनुमान लगाया गया था जबकि वास्तविक व्यय राशि 21.71 लाख रूपये थी। इस प्रकार इस वर्ष इस शीर्षक के अंतर्गत अनुमानित बजट की तुलना में 73.29 लाख रूपये कम व्यय हुये जो प्रतिशत के रूप में 77.14 था।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के '' पर्यावरण संरक्षण '' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 73.68 प्रतिशत की कमी की गई और इस कमी से वर्ष 2018–19 में इस शीर्षक में 25 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु

वास्तविक व्यय राशि 17.97 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में अनुमानित बजट की तुलना में 7.03 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 28.12 प्रतिशत हैं।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के '' पर्यावरण संरक्षण'' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान ही नहीं लगाया गया और न ही व्यय किया गया। इस प्रकार इस वर्ष इस शीर्षक के अनुमानित एवं वास्तविक व्यय शून्य थे।

नगर पालिका निगम भिलाई के ''पर्यावरण संरक्षण'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की अनुमानित एवं वास्तविक राशि एवं दोनों का अंतर वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

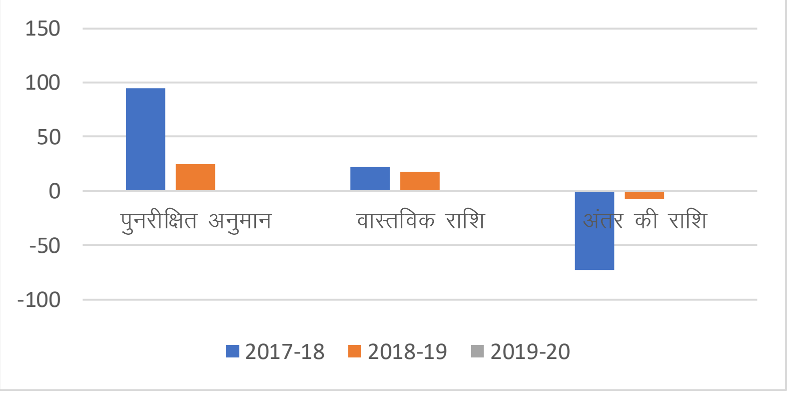

तालिका क्रमांक 03

नगर पालिका निगम भिलाई के ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की राशि (अनुमानित एवं वास्तविक व्यय)

वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक

(राशि लाख रूपयें में)

वर्ष	पुनरीक्षित अनुमान	वास्तविक राशि	अंतर की राशि	प्रतिशत में
2017-18	2148	1954.52	-193.48	9
2018-19	2380	2468.08	88.08	3.7
2019-20	2558.5	2647.44	88.94	3.48

स्त्रोंत – नगर पालिका निगम भिलाई के आय–व्यय पत्रक से प्राप्त आंकड़ें

नगर पालिका निगम भिलाई के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग का मुख्य उद्येश्य शहरी क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन करना होता हैं। प्रबंधन हेतु निगम द्वारा मुख्य रूप से कचरा संग्रहण, कचरा संग्रहण हेतु परिवहन व्यवस्था, कचरे के निपटारन, प्राप्त कचरे के लिए रिसाइकिलिंग कार्यक्रम , तथा कचरे को कम करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम किये जाते हैं।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन'' शीर्षक के अंतर्गत 2148 लाख रूपये के व्यय का अनुमान लगाया गया था जबकि वास्तविक व्यय

राशि 1954.52 लाख रूपये थी। इस प्रकार इस वर्ष इस शीर्षक के अंतर्गत अनुमानित बजट की तुलना में 193.48 लाख रूपये कम व्यय हुये जो प्रतिशत के रूप में 9 प्रतिशत था।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन '' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि की गई और इस वृद्धि से वर्ष 2018–19 में इस शीर्षक में 2380 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 2468.08 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में अनुमानित बजट की तुलना में 88.08 लाख रूपये अधिक व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 3.7 प्रतिशत हैं।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन'' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई और इस वृद्धि से वर्ष 2019–20 में इस शीर्षक में 2558.5 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 2647.44 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2019–20 में अनुमानित बजट की तुलना में 88.94 लाख रूपये अधिक व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 3.48 प्रतिशत हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई के '' ठोस अपशिष्ट प्रबंधन '' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की अनुमानित एवं वास्तविक राशि एवं दोनों का अंतर वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

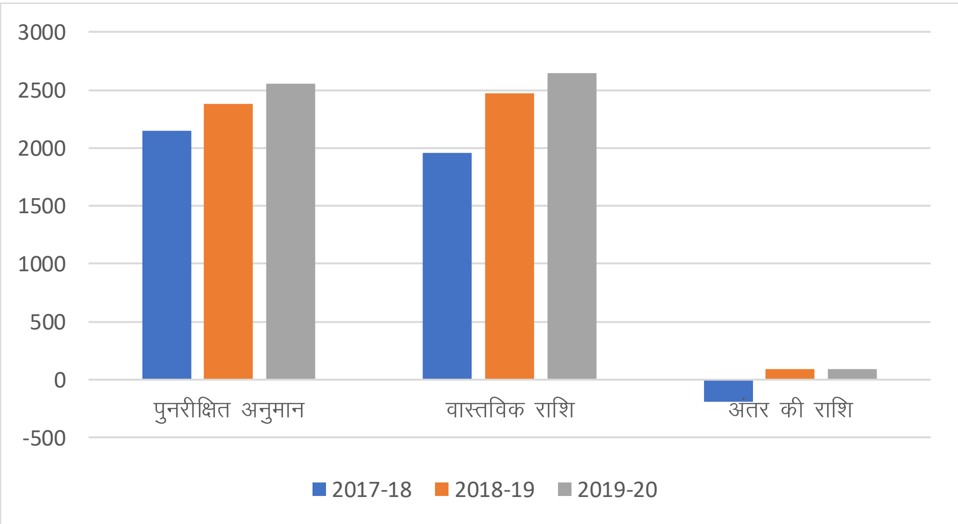

तालिका क्रमांक 04

नगर पालिका निगम भिलाई के ''दूषित जल निकासी'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की राशि (अनुमानित एवं वास्तविक व्यय)

वित्तीय वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक

(राशि लाख रूपयें में)

वर्ष	पुनरीक्षित अनुमान	वास्तविक राशि	अंतर की राशि	प्रतिशत में
2017-18	175	92.96	-82.04	46.88
2018-19	55	54.21	0.79	1.44
2019-20	5	0.07	-4.93	98.6

स्त्रोंत – नगर पालिका निगम भिलाई के आय–व्यय पत्रक से प्राप्त आंकड़ें

नगर पालिका निगम भिलाई के दूषित जल निकासी विभाग का मुख्य उद्येश्य शहरी क्षेत्रों में दूषित जल का निपटारन सुरक्षित एवं स्वच्छ तरीके से करना होता हैं। नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा इसके अंतर्गत दूषित जल का संग्रहण, उसका उपचार, निपटान, सीवेज प्रणाली का रखरखाव, जल प्रदूषण नियंत्रण, तथा स्थानीय निवासियों को जागरूक करने का कार्य किया जाता हैं ताकि शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाया जा सके।

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के ''दूषित जल निकासी'' शीर्षक के अंतर्गत 175 लाख रूपये के व्यय का अनुमान लगाया गया था जबकि वास्तविक व्यय राशि 92.96 लाख रूपये थी। इस प्रकार इस वर्ष इस शीर्षक के अंतर्गत अनुमानित बजट की तुलना में 82.04 लाख रूपये कम व्यय हुये जो प्रतिशत के रूप में 46.88 प्रतिशत था।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के '' दूषित जल निकासी '' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 68.57 प्रतिशत की कमी की गई और इस कमी से वर्ष 2018–19 में इस शीर्षक में 55 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 54.21 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में अनुमानित बजट की तुलना में 0.79 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 1.44 प्रतिशत हैं।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के '' दूषित जल निकासी '' शीर्षक के अंतर्गत व्यय का अनुमान लगाया गया। इस बार गत वर्ष के अनुमानित बजट में 90.9 प्रतिशत की कमी की गई और इस कमी से वर्ष 2019–20 में इस शीर्षक में 5 लाख रूपये व्यय अनुमानित किया गया परन्तु वास्तविक व्यय राशि 0.07 लाख रूपये हुये। इस प्रकार वर्ष 2019–20 में अनुमानित बजट की तुलना में 4.93 लाख रूपये कम व्यय हुये। अंतर की यह राशि अनुमानित बजट का 98.6 प्रतिशत हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई के ''दूषित जल निकासी'' मद के अंतर्गत किये जाने वाले व्ययों की अनुमानित एवं वास्तविक राशि एवं दोनों का अंतर वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

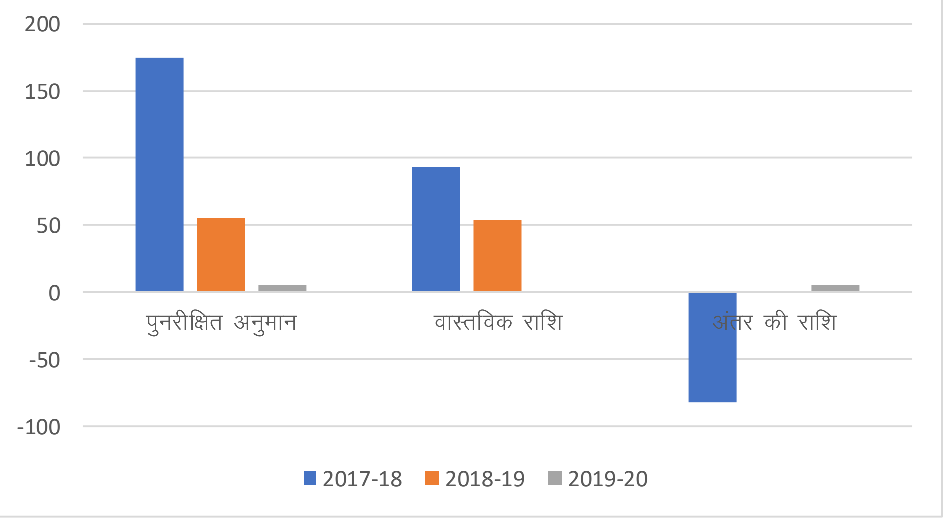

नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किये जाने वाले व्यय के मदों की वास्तविक राशि वित्तीय वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

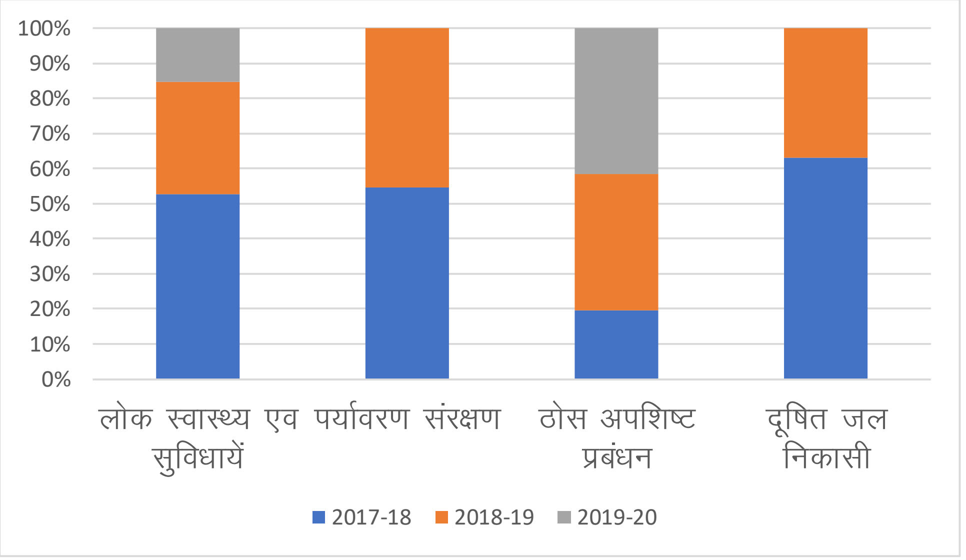

उपरोक्त तालिकाओं के अध्ययन से यह स्पष्ट होता हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु पर्यावरण संरक्षण, जल आपूर्ति एवं स्वच्छता के लिए प्रतिवर्ष बजट अनुमानित कर व्यय किये जा रहे हैं। यद्यपि व्यय के मदों के पूर्वानुमान एवं वास्तविक खर्च होने वाली राशि में प्रतिवर्ष अंतर पाया गया हैं किन्तु सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति में निगम द्वारा किये जाने वाले प्रयासों को अनदेखा नहीं किया जा सकता हैं।

तालिका क्रमांक 05

नगर पालिका निगम भिलाई के सतत् विकास लक्ष्य हेतु किये जाने वाले व्ययों की वास्तविक राशि

(राशि लाख रूपये में)

वर्ष	सतत् विकास लक्ष्य में सहयोग हेतु व्ययों का योग	नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्यय	नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्यय में सतत् विकास के व्ययों का प्रतिशत
2017-18	1120.7	27983.72	11.22%
2018-19	681.03	30647.58	10.51%
2019-20	323.33	33525.33	8.86%

स्त्रोंत – नगर पालिका निगम भिलाई के बजट विवरण से प्राप्त आंकड़ें

उपयुक्त तालिका के अध्ययन के स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक की अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति के संबंध में कुल चार शीर्षकों के अंतर्गत व्यय किये गये हैं। ये व्यय के शीर्षक ''लोक स्वास्थ्य एवं सुविधायें'', ''पर्यावरण संरक्षण'', ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन'' तथा ''दूषित जल निकासी'' के रूप में हैं। उपयुक्त तालिका से स्पष्ट हैं कि वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा कुल 27983.72 लाख रूपयें व्यय किये गये थे जिसमें 1120.7 लाख रूपये सतत् विकास को बढ़ावा देने से संबंधित थें। इस प्रकार वर्ष 2017–18 में नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्ययों में 11.22 प्रतिशत व्यय सतत् विकास लक्ष्य से संबंधित थे।

वित्तीय वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा समस्त क्षेत्रों में कुल 30647.58 लाख रूपये व्यय किये गये जिसमें 681.03 लाख रूपयें सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए किये गये। इस प्रकार वर्ष 2018–19 में नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्ययों में 10.51 प्रतिशत व्यय सतत् विकास लक्ष्य से संबंधित थें।

वित्तीय वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा कुल 33525.33 लाख रूपये व्यय किये गये जिसमें से 323.33 लाख रूपयें सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति के लिये किये गये। इस प्रकार वर्ष 2019–20 में नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्ययों में 8.86 प्रतिशत व्यय सतत् विकास लक्ष्य से संबंधित थे।

इस प्रकार यह कहा जा सकता हैं कि वित्तीय वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक की अवधि में सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में नगर पालिका निगम की भूमिका में प्रतिशत के रूप में प्रतिवर्ष गिरावट की प्रवृत्ति पाई गई हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्ययों में सतत् विकास लक्ष्य संबंधित व्ययों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक चार्ट के माध्यम से

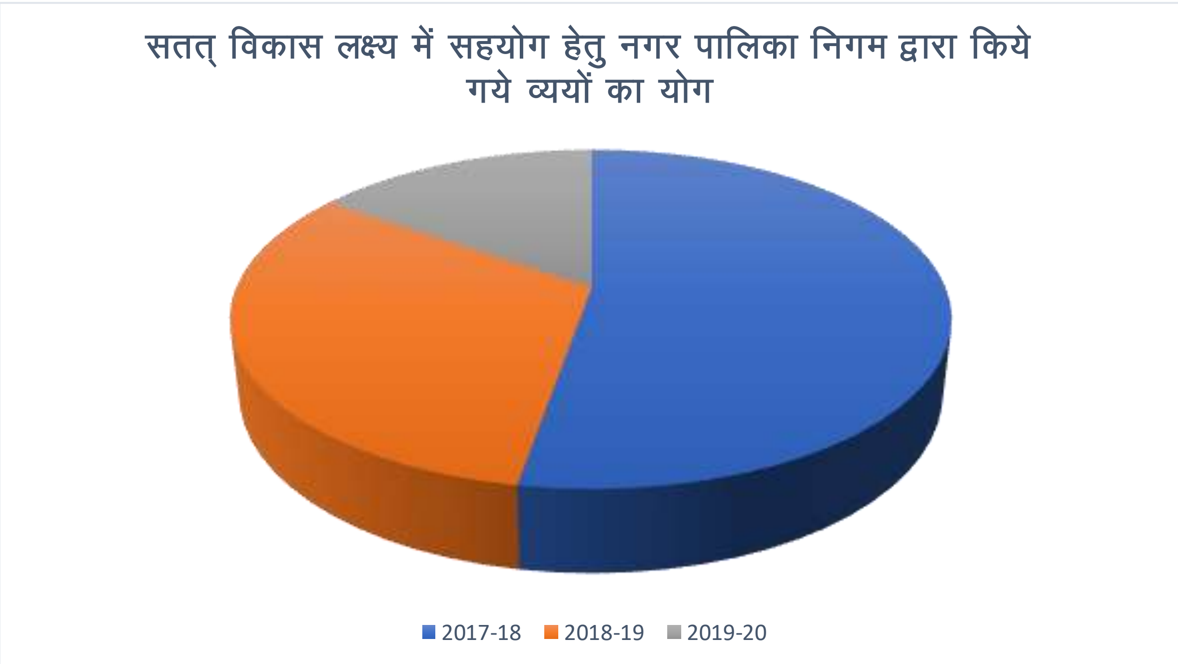

9. नगर वासियों का दृष्टिकोण एवं सुझाव :–

सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा किये जाने वाले व्ययों के संबंध में प्रश्नावली की सहायता से प्रत्येक वार्ड से 02 उत्तरदाता एवं कुल 70 वार्ड से 140 उत्तरदाताओं से संपर्क किया गया। इस संपर्क से उनका दृष्टिकोण एवं सुझाव इस प्रकार हैं :–

9.1 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले जल सुविधा से क्या आप संतुष्ट हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि लगभग सभी वार्डों में नगर पालिका निगम द्वारा जल की व्यवस्था अच्छी हैं। निगम द्वारा पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध कराया जाता हैं। सभी वार्डों में सुबह एवं शाम के समय जल आपूर्ति का एक निश्चित समय निर्धारित होने के कारण सभी को पर्याप्त जल प्राप्त हो जाता हैं। इसके अतिरिक्त गर्मी के मौसम में या किसी अन्य विपरीत परिस्थितियों में जब जल पर्याप्त न हो तो उस समय निगम द्वारा टैंकर की व्यवस्था कर जल उपलब्ध कराया जाता हैं।

9.2 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कौन–कौन सी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ताकि नगरवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा सके। इसके अतिरिक्त वार्डों में मितानिन के माध्यम से टीकाकरण कार्यक्रम, स्वास्थ्य जांच एवं बीमारी नियंत्रण कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया जाता हैं।

9.3 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी किन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं ?

उत्तर :– उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं। आंगनबाड़ी के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, तथा बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता हैं। साथ ही हाथी पांव जैसी गंभीर बीमारियों की दवाएं भी उपलब्ध करायी जाती हैं।

9.4 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा बनाये गये सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति से क्या आप संतुष्ट हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि प्रत्येक वार्ड में सार्वजनिक शौचालयों की व्यवस्था तो हैं परन्तु साफ–सफाई के अभाव, तथा शौचालयों में पानी उपलब्ध न होने के कारण शौचालय उपयोग करने के लायक नहीं रह पाते हैं। निगम को शौचालयों की साफ–सफाई नियमित रूप से करवाना चाहिए ताकि आम जनता को असुविधा का सामना न करना पड़ें।

9.5 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु कौन–कौन से कार्य किये जाते हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु सबसे महत्वपूर्ण कार्यो में कचरा प्रबंधन का कार्य हैं ताकि घरों से निकलने वाले कचरे से प्रदूषण को रोका जा सके। ध्वनि प्रदूषण से नियंत्रण हेतु तेज आवाज वाले वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया हैं साथ–साथ डीजे जो ध्वनि प्रदूषण के मुख्य कारकों में शामिल हैं के लिए एक समय सीमा तय कर दी गई हैं ताकि ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सके।

9.6 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरा प्रबंधन किस प्रकार किया जाता हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई के लगभग सभी वार्डो में नियमित रूप से कचरे का संग्रहण किया जाता हैं तथा कचरे को एक विशेष स्थान पर नष्ट किया जाता हैं। कुछ वार्डों में कचरे को एक स्थान पर एकत्रित कर नियमित रूप से नष्ट न करने के कारण यह कचरा बीमारियों का कारण बनता हैं। नगर पालिक निगम भिलाई को कचरे के प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाये जाने की आवश्यकता हैं।

9.7 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा हरित क्षेत्रों के विकास हेतु कौन–कौन से कदम उठाये गये हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा समय समय पर विभिन्न अभियान के तहत वृक्षारोपण का कार्य नियमित रूप से किया जाता हैं। इसके अतिरिक्त हरित क्षेत्रों के विकास हेतु उद्यान, का भी निर्माण किया गया हैं किन्तु वर्तमान स्थिति के अनुसार पेड़–पौधों तथा उद्यान की सही देखरेख न होने के कारण पेड़ पौधें नष्ट हो जाते हैं तथा उद्यानों की स्थिति दिन–ब–दिन खराब होते जा रही हैं।

9.8 नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जाता हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा लगभग सभी वार्डों में कचरे को नियमित रूप से संग्रहित किया जाता हैं कुछ वार्डों में कचरे के संग्रहण का कार्य सप्ताह में दो से तीन दिन ही हो पाता हैं। नगर पालिका निगम को इन वार्डों में भी कचरे को नियमित रूप से संग्रहण करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

9.9 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरे को संग्रहित करने की क्या व्यवस्था हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरे को संग्रहित करने के लिए निगम की गाड़ी वार्डों के लगभग सभी गलियों में जाती हैं और पूरे शहर के कचरे को निगम के द्वारा एकत्र किया जाता हैं।

9.10 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरे के निपटान से आप संतुष्ट हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष हुआ हैं कि निगम के द्वारा कचरे का नियमित रूप से निपटान किया जाता हैं कुछ वार्डों में कचरे निपटान से वार्ड वासी संतुष्ट नहीं हैं। इस समस्या के समाधान हेतु उस वार्ड के पाषर्दों को ध्यान दिया जाना चाहिये।

9.11 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा उचित नाली की व्यवस्था की गई हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि लगभग सभी वार्डों में दूषित जल निकासी के लिए नाली बनाई गई हैं किन्तु कुछ वार्डों में नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण गंदा पानी नालियों में एकत्रित होकर बीमारियों को जन्म देते हैं। निगम को इस क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता हैं।

9.12 क्या नगर पालिका निगम द्वारा सड़को की नियमित साफ–सफाई की जाती हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि बहुत से वार्ड में सड़कों की सफाई के लिये निगम के कर्मचारी सप्ताह में चार से पांच दिन आते हैं किन्तु कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां माह में एक या दो बार ही सफाई हो पाती हैं किन्तु इन सब के बावजूद भी वार्डों में स्वच्छता बनाये रखने के लिए निगम द्वारा अनेक स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं जिससे स्वच्छता बनी रहती हैं।

9.13 क्या नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा वृक्षारोपण किया जाता हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगमों के द्वारा समय समय पर वृक्षारोपरण का कार्य किया जाता हैं किन्तु देखरेख न होने के कारण पौधे बढ़ नहीं पाते एवं नष्ट हो जाते हैं इसके लिए नगर पालिक निगम को विशेष निगरानी में वृक्षारोपण का कार्य किया जाना चाहिए।

9.14 नगर पालिका निगम के द्वारा दूषित जल निकासी की क्या व्यवस्था हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा घरो के दूषित जल निकासी हेतु नालियों का निर्माण किया गया हैं। साथ ही नगर पालिका निगमों के द्वारा सीवेज प्रणाली की देखरेख का भी कार्य किया जाता हैं ताकि दूषित जल निकासी हेतु बनाये गये पाइपलाइनों तथा उपचार संयंत्रों का रखरखाव किया जा सके।

9.15 नगर पालिका निगम द्वारा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं ?

उत्तर – उत्तरदाताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा समय–समय पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जिसमें स्वच्छता पुरूस्कार जैसे अनेक कार्य शामिल होते हैं। साथ साथ क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिनों के द्वारा घर–घर जाकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाता हैं।

10. नगर पालिका निगम भिलाई के सामने आने वाली चुनौतियां :–

निसंदेह प्रत्येक नगर पालिका निगमों की सतत् विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं किन्तु निगम के समक्ष ऐसी अनेक चुनौतियां एवं बाधायें भी उपस्थित होती हैं जो निगमों के कार्य में बाधा उत्पन्न करती हैं। परिणामस्वरूप नगर पालिका निगम अपने कार्यों को जिम्मेदारीपूर्ण तथा प्रभावी रूप से करने में असक्षम प्रतीत होता हैं। नगर पालिका निगम भिलाई को सतत् विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देने में अनेक चुनौतियों एवं बाधाओं का सामना करना पड़ता हैं जो इस प्रकार हैं :–

10.1 सीमित संसाधन – नगर पालिका निगम भिलाई में सीमित वित्तीय एवं सीमित मानव संसाधन होने से निगम को अनेक संघर्षों का सामना करना पड़ता हैं। साधनों की यह सीमितता स्थानीय बुनियादी ढांचे में निवेश करने तथा नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने की क्षमता को सीमित करती हैं।

10.2 संस्थागत क्षमता – स्थानीय स्वशासनों में अधिकांशतः स्थायी शहरी नियोजन एवं कार्यान्वयन हेतु तकनीकि विशेषज्ञता का अभाव पाया जाता हैं जिससे निगम का कार्य प्रभावित होता हैं।

10.3 राजनीतिक हस्तक्षेप – राजनीतिक हस्तक्षेप नगर पालिका निगम में निर्णय की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करता हैं।

11. परिकल्पना का परीक्षण :–

11.1 उक्त शोध पत्र के अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं कि शोध अवधि वित्तीय वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा स्वच्छता एवं जल आपूर्ति संबंधित अनेक कार्य किये गये हैं। जिसमें नगरवासियों को समय पर जल उपलब्ध कराना, वार्ड की साफ–सफाई, दूषित जल निकासी जैसे महत्वपूर्ण कार्य सम्मिलित हैं। शोध अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा इन मदों में व्यय की जाने वाली राशि में अंतर की प्रवृत्ति पाई गई हैं। इस प्रकार हमारी वैकल्पिक परिकल्पना सिद्ध होती हैं कि ''शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता एवं जल आपूर्ति संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में सार्थक अंतर हैं।''

11.2 उक्त शोध पत्र के अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं कि शोध अवधि वित्तीय वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 तक के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संबंध में अनेक कार्य किये गये हैं। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत कचरा प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को शामिल किया गया हैं। शोध अवधि के दौरान प्रत्येक वर्ष नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा इन मदों में भिन्न–भिन्न बजट अनुमानित किया गया हैं तथा प्रत्येक वर्ष के वास्तविक व्यय भी भिन्न हैं। अतः हमारी वैकल्पिक परिकल्पना सिद्ध होती हैं कि ''शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण से संबंधित किये गये कार्यों की प्रकृति में सार्थक अंतर हैं।''

12. शोध का महत्व :–

उक्त शोध सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में नगर पालिका निगम भिलाई की भूमिका के अध्ययन पर आधारित हैं। इस अध्ययन से भिलाई नगर पालिका निगम द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों को पूरा करने हेतु किये जाने वाले कार्यों तथा लक्ष्य को पूरा करने हेतु किये गये व्ययों की जानकारी प्राप्त होगी साथ ही नगरवासियों के दृष्टिकोण एवं सुझावों का भी ज्ञान होगा। वर्तमान समय में सतत् विकास लक्ष्य वैश्विक स्तर पर लागू की जाने वाली एक महत्वपूर्ण योजना हैं उक्त शोध के माध्यम से यह ज्ञात किया जा सकेगा कि स्थानीय स्तर पर सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में स्थानीय स्वशासन को किन–किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ता हैं तथा उन समस्याओं का समाधान कैसे किया जा सकता हैं।

13. शोध समस्या :–

13.1 स्थानीय निवासियों से संपर्क करने पर जागरूकता की कमी एवं अज्ञानता की दशा पाई गई।

13.2 नगर पालिका निगम द्वारा सुविधायें उपलब्ध तो कराई जाती हैं किन्तु जनप्रतिनिधि की असक्रियता के कारण नगरवासियों को समय पर सुविधा प्राप्त नहीं हो पाता हैं।

13.3 सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति हेतु निगम द्वारा किये गये व्ययों में स्थानीय एवं क्षेत्रीय दलगत राजनीति दिखाई देती हैं।

13.4 शोध अवधि के दौरान सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा संशोधित अनुमानित राशि एवं वास्तविक खर्च की गई राशि में पर्याप्त अंतर पाया गया जिसका मुख्य कारण पूर्वानुमान हेतु समुचित आधार का अभाव होना हैं।

14. निष्कर्ष एवं सुझाव :–

शोध निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता हैं कि नगर पालिका निगम भिलाई के द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही हैं। शोध अवधि वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई के कुल व्ययों का औसतन 10 प्रतिशत भाग सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति से संबंधित हैं। यद्यपि शोध अवधि के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई के सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति हेतु किये गये व्ययों में लगातार गिरावट की प्रकृति पाई गई हैं जिसका मुख्य कारण कोरोना जैसी गंभीर बीमारी का प्रभाव हैं किन्तु इसके बाद भी नगर पालिका निगम की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता हैं। सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के दौरान नगर पालिका निगम भिलाई को अनेक चुनौतियों एवं समस्याओं का भी सामना करना पड़ता हैं जिसके समाधान के लिए निगम द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा हैं। नगरवासियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह कहा जा सकता हैं कि सतत् विकास हेतु निगम द्वारा किये जाने वाले कार्यों से लगभग सभी वार्डों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। कुछ वार्डों में कुछ समस्याएं हैं जिन्हें जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर दूर किया जा सकता हैं।

नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति हेतु पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, दूषित जल निकासी, तथा स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण कार्य नगरवासियों के लिए किए जाते हैं। यद्यपि शोध अवधि के दौरान इन कार्यों में खर्च किए जाने वाली राशि में उत्तरोत्तर कमी की प्रवृत्ति पाई गई हैं किन्तु समय के साथ निगम द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों

में वृद्धि की प्रवृत्ति पाई जाती हैं। कार्यों का स्वरूप एवं तकनीक समय के साथ परिवर्तित होने के कारण इन मदों पर किये जाने वाले व्ययों की राशि प्रतिवर्ष कम दिखाई देती है।

नगर पालिका निगम भिलाई को अपने आय के नये साधनों को उत्पन्न करने के संबंध में गहन विचार किया जाना चाहिए ताकि आय में समुचित वृद्धि की जा सके। निगम के पास जितनी आय होगी निगम के व्यय करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। निगम के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में व्यय किये जाने से समाज का संतुलित विकास होगा। निष्कर्ष के रूप में यह कहना गलत नहीं होगा कि स्थानीय स्तर पर सतत् विकास लक्ष्यों को लागू करने तथा सतत् विकास लक्ष्यों के एकीकरण एवं स्थानीयकरण में नगर पालिक निगम की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

15. संदर्भ ग्रंथ सूची :–

15.1 छाछर, डॉ. वरूण ''**Exploring the Role of Municipalities in Promoting Sustainable Development with Special Reference to Green Bonds in India** ''2023

15.2 बेनेडिक्ट, केमिलिया ''**How Can Municipalities Implement the Sustainable Development Goals? A Qualitative Study of Integral Approaches**'' 2024

15.3 नगर पालिक निगम भिलाई के बजट विवरण पत्र ।

15.4 नगरवासियों से प्रत्यक्ष वार्तालाप।

15.5 http://www.bhilainagarnigam.com

16. परिशिष्ठ :–

16.1 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले जल सुविधा से क्या आप संतुष्ट हैं ?
16.2 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य संबंधी कौन–कौन सी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं ?
16.3 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी किन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं ?
16.4 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा बनाये गये सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति से क्या आप संतुष्ट हैं ?
16.5 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु कौन–कौन से कार्य किये जाते हैं ?
16.6 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरा प्रबंधन किस प्रकार किया जाता हैं ?
16.7 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा हरित क्षेत्रों के विकास हेतु कौन–कौन से कदम उठाये गये हैं ?
16.8 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जाता हैं ?
16.9 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरे को संग्रहित करने की क्या व्यवस्था हैं ?
16.10 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा कचरे के निपटान से आप संतुष्ट हैं ?
16.11 नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा उचित नाली की व्यवस्था की गई हैं ?
16.12 क्या नगर पालिका निगम द्वारा नियमित साफ–सफाई की जाती हैं ?
16.13 क्या नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा वृक्षारोपण किया जाता हैं ?
16.14 नगर पालिका निगम के द्वारा दूषित जल निकासी की क्या व्यवस्था हैं ?
16.15 नगर पालिका निगम द्वारा स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं ?